पाठ 6

सबसे पहले

आज उठा मैं सबसे पहले।
सबसे पहले आज सुनूँगा
चिड़िया का डैने फड़काकर
चहक-चहक कर उड़ना 'फर-फर'
देखूँगा पूरब में फैले
बादल पीले, लाल, सुनहले।
आज उठा मैं सबसे पहले।

सबसे पहले आज चुनूँगा
पौधे-पौधे की डाली पर
फूल खिले जो सुंदर-सुंदर
देखूँगा पूरब में फैले
बादल पीले, लाल, सुनहले।
आज उठा मैं सबसे पहले।

सबसे कहता आज फिरूँगा
कैसे पहला पत्ता डोला
कैसे पहला पंछी बोला
कैसे पूरब ने फैलाए
बादल पीले, लाल, सुनहले।
आज उठा मैं सबसे पहले।

—डॉ० हरिवंशराय बच्चन

अभ्यास

1. बताओ– कवि सबसे पहले उठकर–
   - क्या सुनना चाहता है?
   - क्या देखना चाहता है?
   - क्या चुनना चाहता है?
   - क्या–क्या कहना चाहता है?

2. लिखो, तुम्हारे घर में कौन–
   - सबसे पहले उठते हैं? ....
   - आपसे पहले उठते हैं? ....
   - आपके बाद उठते हैं? ....
   - सबसे बाद में उठते हैं? ....

3. लिखो, आज उठने के बाद सबसे पहले तुमने–
   - क्या–क्या देखा? ....
   - क्या–क्या सुना? ....
   - क्या–क्या किया? ....

4. बताओ, यदि तुम किसी दिन सबसे पहले उठे, तो–
   - क्या–क्या देखोगे?
   - क्या–क्या सुनोगे?
   - क्या–क्या करोगे?

5. लिखो, कैसे–कैसे रंग के होते हैं बादल–

- सुबह ....
- शाम ....
- बरसात के दिनों में ....

6. समझो, लिखो–

- सुनती हूँ – सुनूँगी
- खेलता हूँ – .....
- पढ़ती हूँ – .....
- लिखता हूँ – .....

7. कविता में से ऐसे शब्द ढूँढकर लिखो, जो 'सुनूँगा' जैसे लगते हैं–

....

8. मिलाओ, कौन, कहाँ–

• फूल खिले	आँगन में
• बादल फैले	बाग में
• पंछी बोले	पौधे–पौधे की डाली पर
• पत्ते डोले	पूरब में

9. शब्दों से वाक्य बनाओ–

- फर–फर .....
- चहक–चहक .....
- सुंदर–सुंदर .....